EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishvavidyalaya (Sthapana Avam Sanchalan) Adhiniyam 2021 and Registered under UGC 2(f)/12(b) Act 1956
Sagar Road, Damoh (M.P.) Bharat

Eklavya University

Master of Arts

(Philosophy)

Final year

Curriculum

(2023-2024 admitted students)

Dr. Abhay Kumar   Rohit   Dr. UK / Dr. Usha Khandelwal

EKLAVYA UNIVERSITY, DAMOH (M.P.)

Scheme of Examination M.A. Philosophy Final Year

[redacted] /For batch admitted in Academic Session 2023-24 [redacted]

Subject wise distribution of marks and corresponding credits

S.No.	Subject Code	Subject Name	Maximum Marks Allotted						Total Marks	Contact Periods Per week			Total Credits
			Theory Slot				Practical Slot						
			Final Yearly	Half Yearly	Quiz/ Assignment/ Attendance		End Exam	Lab Work/ sessional		L	T	P	
1	MPHIL20Y201	Contemporary Western Philosophy	60	30	5	5	–	–	100	6	0	0	6
2	MPHIL20Y202	Contemporary Indian Philosophy	60	30	5	5	–	–	100	6	0	0	6
3	MPHIL20Y203	Religion & Philosophy	60	30	5	5	–	–	100	6	0	0	6
4	MPHIL20Y204	Yogadarshan (Elective)	60	30	5	5	–	–	100	6	0	0	6
5	MPHIL20Y205	Advait Vedenta (Elective)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
6	MPHIL20Y206	Islamic Philosophy, (Elective)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
7	MPHIL20Y207	Project work/ Dissertation	–	–	–	–	60	40	100	10	0	0	10
8	MPHIL20Y208	Subjective Presentation & Comprehensive Viva	–	–	–	–	60	40	100	6	0	0	6
		Total	240	120	20	20	120	80	600	40	0	0	40

Induction programme of three weeks (MC): Physical activity, Creative Arts, Universal Human Values, Literary, Proficiencey Modules, Lectures by Eminent People, Visits to local Areas, Familiarization to Dept./Branch & Innovations.

Course code	Contemporary Western Philosophy, Paper – VII	L	T	P	C
MPHIL20Y201	समकालीन पाश्चात्य दर्शन , प्रश्न पत्र – 7	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- पाश्चात्य दर्शन की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में पाश्चात्य दार्शनिक विचारों के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- वैचारिक अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- दर्शन के क्षेत्र में शोध करने हेतु कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पाश्चात्य दर्शन में शोध की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पाश्चात्य और भारतीय दर्शन में दक्षता और वैचारिक सूक्ष्मता का पता चलना।
- पाश्चात्य दर्शन में शोध के आयामों का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- वैचारिक कौशल का विकास होना।
- पाश्चात्य विचारों के अनुकूल की सोच विकसित होना।
- शोध के लिए नूतन तकनीकों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- दार्शनिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

जी. ई. मूर–

- प्रत्ययवाद का खण्डन।
- बाह्य और आन्तरिक।

Unit-2 — **16 Hrs.**

बी. रसेल–

- परिचयात्मक ज्ञान एवं वर्णनात्मक ज्ञान।
- तार्किक अनुवाद।

Unit-3 — **20 Hrs.**

विटगेंस्टाइन –

- दार्शनिक विश्लेषण।
- भाषायी खेल।

Unit-4 — **19 Hrs.**

हैनरी बर्गसां –

- तत्वमीमांसा।
- सृजनात्मक विकासवाद।

Unit-5 — **17 Hrs.**

ए. जे. एय्यर –

- सत्यापन सिद्धान्त।
- दर्शन का कार्य।

विलियम जेम्स –

- मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि।
- ज्ञान मीमांसा।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

1. Language Truth & logic-by A.J. Ayer
2. The Concept of mind-by Gilbert Ryle.
3. Six existencialist Thinkers-by H.S. Blakem
4. Existencialist and Humanism-by J.P. Sartre
5. The chief currents of conterporary philosophy-by D.M. Datta
6. The nature of mind-by prof. J.P. shukle
7. Wittgenstein-by D.N. Dwivedi.
8. दर्शन की मूलधाराएं–डॉ. अर्जुन मिश्रा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
9. समकालीन विश्लेषणवादी दार्शनिक एवं अनुशीलन–डॉ. गायत्री सिन्हा, हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
10. दर्शन के मूल प्रश्न–डॉ. शिवनारायण लाल श्रीवास्तव, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
11. पाश्चात्य दर्शन की समकालीन प्रवृत्तियॉ–डॉ. सुरेन्द्र वर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
12. समकालीन पाश्चात्य दर्शन –डॉ. बी. के. लाल–मोतीलाल बनारसीदास, बनारस.।
14. अस्तित्ववाद में मानव स्वातन्त्र्य एवं उत्तरदायित्व की समस्या –डॉ. शोभा मिश्र, साहित्य प्रकाशन, गाजियाबाद।
15. समकालीन पाश्चात के दर्शन प्रोफे. नित्यानंद मिश्र – मोतीलाल बनारसीदास बनारस उ.प्र.

Dr. Abhaykumar Rahul

Dr. Usha Khandelwal

Course code	Contemporary Indian Philosophy, Paper-VIII	L	T	P	C
MPHIL20Y202	समकालीन भारतीय दर्शन , प्रश्न पत्र –8	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- समकालीन भारतीय दर्शन की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों के विचार दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिक प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।
- वैचारिक दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- समकालीन भारतीय दर्शन की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- समकालीन भारतीय दर्शन की सूक्ष्म चिंतन प्रणाली का पता चलना।
- समकालीन भारतीय दर्शन की स्वरूपगत विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विभिन्न दार्शनिक प्रस्थानों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में चिंतन कौशल का विकास होना।
- समकालीन वैचारिक वैशिष्ट्य की जानकारी होना।
- समकालीन चिंतन के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- वैचारिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- दर्शनशास्त्र का परिचय।
- दर्शनशास्त्र की मुख्य विशेषताएँ।
- दर्शन से धर्म संस्कृति का सम्बंध।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- स्वामी रामकृष्ण परमहंस–आत्मसाक्षात्कार, सर्वधर्म समन्वय।
- श्री मायानन्द चैतन्य– सर्वांगयोग व दिव्यदृष्टि ज्ञान।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- आचार्य विद्यासागर जी का दार्शनिक चिन्तन–पंचमहाव्रत।
- महात्मा गाँधी– अहिंसा, सत्याग्रह, सत्य ओर ईष्वर।

Unit-4 — **19 Hrs.**

- आचार्य श्रीराम शर्मा का दार्शनिक चिन्तन व वैज्ञानिक अध्यात्मवाद।
- स्वामी विवेकानंद –व्यावहारिक वेदान्त और सार्वभौमिक धर्म।

Unit-5 — **17 Hrs.**

- रवीन्द्रनाथ टैगोर–
- मानव धर्म और शिक्षा सम्बंधी विचार।
- महर्षि अरविन्द – सर्वांग योग
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद एवं उपनिवेशवाद

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

- आधुनिक भारतीय चिन्तन–विश्वनाथ नरवणे।
- आधुनिक भारतीय चिन्तन–विष्वनाथ नरवणे।
- आधुनिक भारतीय चिन्तन–बंसत कुमार लाल, मोतीलाल बनारसी दास, चौखम्बा प्रकाशन।

Dr. Abhay Kumar Rahul

- गायत्री महाविद्या का तत्वदर्शन – वाङ्गमय खंड–45– पं. श्रीराम शर्मा आचार्य।
- आध्यात्मिक मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रतिपादन (पं. श्रीरामशर्मा आचार्य के समन्वयात्मक दृष्टिकोण के संदर्भ मे) डॉ. उषा खण्डेलवाल, परिमल प्रकाशन दिल्ली।
- साधना पद्धतियों का ज्ञान और विज्ञान–पं. श्रीरामशर्मा आचार्य।
- गायत्री महाविज्ञान–भाग 3, पं. श्रीरामशर्मा आचार्य, गायत्री तपोभूमि मथुरा।
- मूक माटी–आचार्य विद्यासागर जी, प्रकाशन–भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली ।
- डॉ–राधाकृष्णन, एक अध्यात्मिक दृष्टि–शांति जोशी ।
- आचार्य मायानंद चैतन्य–सर्वांगयोग, केन्द्रीय अध्यात्म विज्ञानशाला ओंकारेश्वर, (म.प्र.)।
- आचार्य श्रीराम शर्मा, तत्वदृष्टि से बंधन मुक्ति, गायत्री तपोभूमि, मथुरा।
- श्रीमायानंद चैतन्य–दिव्यदृष्टि, केन्द्रीय अध्यात्म विज्ञानशाला, ओंकारेश्वर।
- षटसती आचार्य विद्यासागर जी,धर्मोदय प्रकाशन, सागर

Dr. Abhay Kumar Rahul

Delhi.
Dr. Usha Khandelwal

Course code	Religion Philosophy, Paper- IX	L	T	P	C
MPHIL20Y203	धर्म दर्शन , प्रश्न पत्र –9	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- भारतीय धर्म–दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में धर्म और दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- धर्म और नैतिकता को जानने–समझने हेतु मनोभूमि तैयार करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- चिन्तन सम्बन्धी क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- समकालीन धर्म–दर्शन के नैतिक तथ्यों की जानकारी देना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में वैचारिक समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- वैचारिक क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- धार्मिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- धर्म का स्वरूप।
- विज्ञान दर्शन और धर्म

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- धर्म की उत्पत्ति के सिद्धान्त।
- भारतीय दर्शन में ईश्वर की अवधारणा।
- ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- धार्मिक अनुभव और धार्मिक चेतना–
- धर्म तन्त्र से लोकशिक्षण–
- पं.श्रीराम शर्मा आचार्य की दृष्टि में धार्मिक क्रान्तियां–नैतिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक क्रान्ति ।

Unit-4 — **19 Hrs.**

- आचार्य विद्यासागर जी की दृष्टि में भारतीय संस्कृति प्रधान शिक्षा का महत्त्व और समाज में विकृति निवारण अभियान।
- आचार्यविद्यासागर जी की दृष्टि में धर्म क्रांति।
- आचार्यविद्यासागर जी की दृष्टि में धर्म क्रांति।

Unit-5 — **18 Hrs.**

- ईश्वर के अस्तित्व के विषय में तर्क,
- ईश्वर वाद व सर्वेश्वरवाद
- जगत्
- अन्तः सम्बंध
- धर्म निरपेक्षवाद।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

1. धर्म दर्शन–याकूब मसीह, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी पटना (बिहार)
2. धर्म दर्शन की रूपरेखा– हरेन्द्र प्रकाश सिन्हा, बुक लैण्ड, इलाहाबाद
3. धर्म दर्शन की रूपरेखा–हृदय नारायण मिश्र, ज्ञानपुर वाराणसी
4. धर्म दर्शन–दुर्गादत्ता पाण्डेय, शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद
5. धर्म दर्शन–राजेन्द्रप्रसाद पाण्डेय, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी भोपाल
6. धर्म दर्शन का आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ.शिवभानुसिंह शारदा पुस्तक भवन,इलाहाबाद।
7. धर्म दर्शन की रूपरेखा–लक्ष्मीनिधि शर्मा, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।
8. धर्म दर्शन की मूलधाराएँ–वेद प्रकाश वर्मा, हिन्दी समिति, दिल्ली विष्वविद्यालय,दिल्ली।
9. मूकमाटी–आचार्यविद्यासागर जी, ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
10. विज्ञान और अध्यात्म परस्पर पूरक, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(23), परिमल प्रकाशन दिल्ली।
11. भारतीय संस्कृति आधारभूत तत्व, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(34), परिमल प्रकाशन दिल्ली।
12. धर्म चकप्रवर्त्तन एवं लोकमानस का शिक्षण, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(36), परिमल प्रकाशन दिल्ली।
13. धर्मतत्व का दर्शन व मर्म, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(52),परिमल प्रकाशन दिल्ली।
14. हमारी भावी पीढ़ी और उसका नवनिर्माण, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(63), परिमल प्रकाशन दिल्ली।
15. सामाजिक, नैतिक, बौद्धिक, क्रान्ति कैसे?, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, वाङ्गमय खण्ड–(65), परिमल प्रकाशन दिल्ली।
16. धर्मतन्त्र से लोकशिक्षण, पं.श्रीराम शर्मा आचार्य, गायत्री तपोभूमि मथुरा।
17. जैन धर्म और दर्शन –मुनि प्रमाण सागर, बरेला प्रकाशन जबलपुर।
18. जिनवाणी –सुधासागर भाग 1,भाग 2

Dr. Abhaykumar Rahul

Dr. Usha Khandelwal

Course code	Yogdarshan (Elective), Paper- X	L	T	P	C
MPHIL20Y204	योगदर्शन (ऐच्छिक), प्रश्न पत्र –10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- योग दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में योगदर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- योग–साधना को जानने–समझने हेतु मनोभूमि तैयार करना।
- यौगिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- वैचारिक क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- यौगिक विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- योग दर्शन के नैतिक तथ्यों की जानकारी देना।
- मन सम्बन्धी समस्याओं के निदान की समझ विकसित करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में चिन्तन करने की समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- विचार के क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- आध्यात्मिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- योग शब्द का अर्थ, योग के प्रकार और उनकी विशेषताएँ।
- योग की परम्परा एवं इतिहास।
- श्रुति, स्मृति, पुराण, गीता, योगसूत्र एवं हठयोग के ग्रंथों में योग का वर्णन।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- अष्टांग योग
- योग मनोविज्ञान क्लेश का सिद्धान्त व उनके आधार पर मनोव्यवहार का वर्णन
- वृत्तियॉ अभ्यास एवं वैराग्य से उनका निरोध चित्त की भूमिका एवं अवस्थाएँ, यौगिक आहार एवं उसका प्रभाव।
- अर्हयोग – मुनि प्रणम्यसागर।
- जैन दर्शन का अर्हं योग।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- आध्यात्मिक शरीर विज्ञान स्थूल, सूक्ष्म एवं कारण शरीर की संरचना एवं कार्य
- गायत्री मंत्र के 24 अक्षर का शरीर के विभिन्न संस्थानों पर प्रभाव (पाचन संस्थान,श्वसन संस्थान, नाड़ी संस्थान, रक्त परिसंचरण संस्थान ह्रदय तंत्र मस्तिष्कीय तंत्र आदि)।
- आचार्य श्रीराम शर्मा के अनुसार आध्यात्मिक शरीर विज्ञान।
- स्थूल शरीर, सूक्ष्म शरीर एवं कारण शरीर की वैज्ञानिक व्याख्या।
- शरीर के अन्तःस्त्रावी तंत्र का पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक विवेचन।

Unit-4 — **19 Hrs.**

- योगसाधना का शारीरिक, मानसिक एवं अध्यात्मिक प्रगति के लिए अध्ययन
- आसन, प्राणायाम, बंध–मुद्रा किया एवं ध्यान आदि का अध्ययन एवं कियायें।

Unit-5 — **18 Hrs.**

- विभिन्न प्रकार के आसन – सुखासन, पद्मासन, ताड़ासन की विधि एवं उपयोगिता।
- व्रासन, कटिचक्रासन एवं तिर्यक ताड़ासन की विधि एवं उपयोगिता।
- गायत्री मंत्र साधना एवं उसकी उपयोगिताऐं।
- णमोकर मंत्र एक अनुचिंतन ।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books:-

1. पातन्जलि का योगसूत्र –गीताप्रेस गोरखपुर, उ.प्र.
2. आचार्य श्रीराम शर्मा– योगदर्शन , प्रकाशन, गायत्री तपोभूमि मथुरा उ.प्र.।
3. डॉ. श्रीमती उषा खण्डेलवाल– आध्यात्मिक मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रतिपादन– (पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के समन्वयात्मक दृष्टिकोण के संदर्भ में)।
4. डॉ. भावे– शरीर विज्ञान।
5. स्वामी आनंदानंद– योगासन, और स्वास्थ्य।
6. डॉ. राधाकृष्णन– भारतीय दर्शन भाग एक एवं दो, हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
7. डॉ. दासगुप्ता– भारतीय दर्शन ।
8. स्वामी सत्यांनद सरस्वती– आसन, प्राणायाम, मुद्रा एवं बंध,श्री के.के.गोयंका बिहार योग विद्यालय मुंगेर (बिहार) द्वारा प्रकाशित
9. योगासन, प्राणायाम, बंध, मुद्रा–वांङ्गमय खण्ड –पं. श्रीराम शर्मा आचार्य प्रकाशन– गायत्री तपोभूमि मथुरा
10. गायत्री साधना का गुह्यविवेचन खण्ड 10– पं. श्रीराम शर्मा आचार्य,। गायत्री तपोभूमि मथुरा
11. योगांक, गीताप्रेस, गोरखपुर उ.प्र.।
12. अर्हंध्यानयोग –मुनि प्रणम्यसागर ,दिल्ली प्रकाशन।
13. णमोकारमंत्र एक अनुचिंतन डॉ नेमचंद शास्त्री प्रकाशन भारतीय ज्ञानपीठ, नईदिल्ली

Dr. Abhayaman Rahul

Dr. Uk.

Dr. Usha khandelwal

Course code	Advait Vedanta (Elective), Paper- X	L	T	P	C
MPHIL20Y205	अद्वैत वेदान्त (ऐच्छिक), प्रश्न पत्र –10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- अद्वैत वेदान्त की व्यापक जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में अद्वैत दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- अद्वैत वेदान्त को जानने–समझने की पृष्ठभूमि तैयार करना।
- पारम्परिक क्षेत्र सम्बन्धी वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- भारतीय दर्शनों की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- दार्शनिक विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- समकालीन नैतिक तथ्यों की जानकारी देना।
- वैचारिक खण्डन की तकनीक का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में दार्शनिक समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- दर्शन के अध्ययन के क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- वैचारिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- अध्यास का लक्षण ।
- अध्यास के प्रकार एवं महत्त्व।
- अध्यास एवं ख्यातिवाद, अध्यास की प्रासंगकिता ।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- चतुःसूत्री, अथातो ब्रह्मजिज्ञासा ।
- जन्माद्यस्य यतः।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- शास्त्रयोनित्वात्, तत्तु समन्वयात्।

Unit-4 — **19 Hrs.**

- तर्कपाद–सांख्यमत का खण्डन (Refutation of Sankhya)
- न्याय–वैशेषिक मत का खण्डन ।

Unit-5 — **18 Hrs.**

- विज्ञानवाद का खण्डन, जैनमत का खण्डन।
- भारतीय संस्कृति।

Dr. Abhay Kumar Rahul

Dr. U.K. Usha Khandelwal

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

1. भामती प्रस्थान का दर्शन तुलनात्मक अध्ययन–सत्यदेव शास्त्री।
2. अद्वैत वेदान्त –डॉ. अर्जुनमिश्रा–म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. आचार्य शंकर–पण्डित जयराम मिश्र।
4. अद्वैत वेदान्त–राममूर्ति शर्मा।
5. मधुसूदन सरस्वती का दर्शन –डॉ. प्रदीप खरे, क्लासिकल कम्पनी दिल्ली।
6. माण्डूक्यकारिका–गौड़पाद।
7. ब्रह्मसूत्र–गीताप्रेस,गोरखपुर।
8. चतुःसूत्री–रमाकांत त्रिपाठी।
9- अद्वैतवेदान्त की तार्किक भूमिका–डॉ. जे. एस. श्रीवास्तव।
10. भारतीय दर्शन में भ्रम का स्वरूप–डॉ. डी. एन.।
11. The heritage of Shanker-S.S Roy
12- Study in Early Advaita- T.M.P. Mahadevan.
13- Agam Shastra of Goudapada-V. Bhattacharya
14- Life of thought of Shankeracharya –G.C. Pandey

Dr. Abhay Kumar Rahul

Dr. U.K.

Dr. Usha Khandelwal

Course code	Islamic Philosophy (Elective), Paper- X	L	T	P	C
MPHIL20Y206	इस्लामिक दर्शन (ऐच्छिक), प्रश्न पत्र –10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- इस्लामिक दर्शन की व्यापक जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में इस्लामिक दर्शन के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- इस्लामिक विचारों को जानने–समझने की मनोभूमि तैयार करना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- तुलनात्मक चिंतन क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- इस्लामिक विचारों की सूक्ष्मता का पता चलना।
- इस्लामिक दर्शन के नैतिक विचारों की जानकारी देना।
- सूफी विचारों से अवगत कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विद्यार्थियों में वैचारिक समझ का विकास होना।
- विद्यार्थियों में इस्लामिक विचारों के अनुकूल सोच विकसित होना।
- विचार के क्षेत्र में नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- सामाजिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18 Hrs.**

- इस्लाम दर्शन के मुख्य स्रोत कुरान, हदीस, कियास।
- परमसत्ता का स्वरूप।
- मनुष्य एवं जगत् के मध्य संबंध।

Unit – 2 — **16 Hrs.**

- इस्लाम धर्म के मुख्य विष्वास।
- इस्लाम के अनुसार सृष्टि एवं मनुष्य विषयक सिद्धान्त।

Unit-3 — **20 Hrs.**

- इस्लाम धर्म के आधारभूत स्तम्भ एवं नैतिक नियम।
- इस्लाम धर्म के मुख्य धार्मिक सम्प्रदाय।

Unit-4 — **19 Hrs.**

- सूफीवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं।
- सूफीवाद के प्रमुख विचारक–अल हलाज, जीलानी।

Unit-5 — **18 Hrs.**

- इस्लाम दर्शन की पृष्ठभूमि, इस्लाम दर्शन के सम्प्रदाय, ।
- इस्लाम दर्शन के प्रमुख विचारक–अलकिन्दी, अल फराबी, इब्नीसीना, इमान गजाली, मोहम्मद इकबाल।

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/ Reference Books

- इस्लाम एक परिचय–डॉ. भजन एवं बैंजामिन खान।
- Islamic Philosophy-by Dr. Humiya kabbir
- Philosophy of Islamic Religion-by Dr Abid Ali.
- T.T. Boer-The History of Philosophy in Islamic
- R.A. Nicholson-Studies in Islamic Mysticism.

Dr. Abhay Kumar Rahul

Dr. Usha Nandelwal

Course code	Dissertation/Project work , Paper – XI	L	T	P	C
MPHIL20Y207	लघु शोध निबन्ध/परियोजना कार्य, प्रश्न पत्र – XI	10	0	0	10
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- दर्शन शास्त्र की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- दार्शनिक साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दर्शन के आचार मार्ग का ज्ञान कराना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- चिंतन सम्बन्धी क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- भारतीय दार्शनिकों की वैचारिक सूक्ष्मता का पता चलना।
- तर्क पद्धति का सम्यक् अभिज्ञान होना।
- तर्क विश्लेषण की क्षमता का विकास होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- वैचारिक और तार्किक कौशल का विकास होना।
- समकालीन चिंतन के अनुकूल की सोच विकसित होना।
- चिंतन के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- तार्किक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

प्रत्येक विद्यार्थी को जैन दर्शन एवं अन्य दर्शनों तथा विषय से संबंधित किसी एक शीर्षक पर 40 पृष्ठों का लघु शोध निबन्ध/परियोजना कार्य की प्रस्तुति आवश्यक होगी।

Course code	Subjective presentation & Comprehensive Viva, Paper – XII	L	T	P	C
MPHIL20Y208	विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी, प्रश्न पत्र – 12	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- दर्शन विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में दर्शन सम्बन्धी शोध के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- चिंतन–मनन के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- दर्शन के क्षेत्र में शोध करने हेतु कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- दर्शन की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- दर्शन में दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- दर्शन में शोध के आयामों का ज्ञान कराना।
- चिंतन की आदत डालना तथा अन्य को भी प्रेरित कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- वाक्–कौशल का विकास होना।
- विषय के अनुकूल सोच विकसित होना।
- दार्शनिक शोध के लिए नूतन तकनीकों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- शोध सम्बन्धी समस्याओं को प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास होना।

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रश्न पत्र संख्या 7 से 11 तक पढे गये विषयों में से किसी एक विषय पर विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी देनी होगी।

Dr. Abhay Kumar Rahul

Dr. Usha Khandelwal